



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

बुधवार, 30 मार्च, 2016 / 10 चैत्र, 1938

हिमाचल प्रदेश सरकार

SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Dated: March, 2016

No. SJE-A-A(5)-1/2016.—In pursuance to powers conferred under Section 54 of Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015. No. 2 of 2016, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to constitute the following State/District Level Inspection Committee with immediate effect:—

State Level Inspection Committee

- | | | |
|----|--|---------------------|
| 1. | Director, Women and Child Development Himachal Pradesh. | <i>Chairperson</i> |
| 2. | Smt. R.K. Soni, General Secretary, H.P. Council for Child Welfare, H.P. | <i>Member</i> |
| 3. | Shri Rajender Mohan, Member H.P. Commission for Protection of Child Rights. | <i>Member</i> |
| 4. | Dr. Ravi Sharma, Professor and Head, Department of Psychiatry, IGMCM Shimla. | <i>Member</i> |
| 5. | Professor and Head of Department, Department of Paediatrics, IGMCM Shimla. | <i>Member</i> |
| 6. | Shri Sudhansu Dogra, Executive Director Himachal Pradesh Voluntary Health Association Shimla, HPVHA Complex, Sector-2 New Shimla-171009. | <i>Member</i> |
| 7. | Mrs. Archana Dhawan, Social Worker Charli Mount, near Jodha Niwas, Jakhoo, Shimla. | <i>Member</i> |
| 8. | Deputy Director, Women and Child Development Himachal Pradesh. | <i>Member Secy.</i> |

District Level Inspection Committee

- | | | |
|----|---|-------------------------|
| 1. | Addl. Deputy Commissioner/ Addl. District Magistrate | <i>Chairperson</i> |
| 2. | Chairperson, Child Welfare Committee (Concerned District) | <i>Member</i> |
| 3. | Paediatrician, Zonal/District Hospital | <i>Member</i> |
| 4. | Medical Officer Health(MOH), Zonal/ District Hospital. | <i>Member</i> |
| 5. | Secretary, Red Cross Society | <i>Member</i> |
| 6. | Social Worker to be nominated by the DC | <i>Member</i> |
| 7. | District Programme Officer | <i>Member Secretary</i> |

Non-Official Members

- | Sr.No. | Name of District | Name and Address of Social Workers |
|---------------|-------------------------|---|
| 1. | Solan | Smt. Namita Sharma, Sidhant Education and Research Foundation c/o DPO Solan. |
| 2. | Mandi | Shri Mast Ram Dhiman, Manav Seva Trust, VPO Dehar, Tehsil Sundernagar, District Mandi, H.P. |
| 3. | Kangra | Smt. Manju Devi, VPO Rakkar(Jagori NGO) Dharamshala, Distt. Kangra. |

4.	Bilaspur	Sh. Parkash Thakur, Manager Project AIDS Control Society Barmana, Distt. Bilaspur.
5.	Sirmour	Smt. Asha Tomar W/o Shri Chattar Singh Tomar, VPO Kamroo, Tehsil Paonta Sahib, Distt. Sirmour, H.P.
6.	Una	Sh. Suresh Kumar Aeri s/o Shri Brahma Nand VPO Dehlan, Distt. Una, H.P.
7.	Chamba	Sh. Anup Kumar s/o Late Shri Chain Lal VPO Sahoo, Tehsil & District Chamba, H.P.
8.	Lahaul & Spiti	Shri Hira Singh, Lahaul Spiti Kala Manch, Distt. Lahaul & Spiti
9.	Kinnaur	Kumari Foola Devi, Mahila Kalyan Parishad Kinnaur at Reckongpeo.
10.	Kullu	Shalini Vats Khimta, Coordinator Child Line Manali, Kullu, Distt. Kullu, H.P.
11.	Shimla	Smt. Neelam Sood, B/200 Sector-3, new Shimla-171009.
12.	Hamirpur	Smt. Sushma Sharma w/o Shri Raj Kumar Sharma, Village Dhangu Mohala PO Sujanpur, Distt. Hamirpur.

(The tenure of the non-official Members of the Committee shall be three years from the date of notification).

Function of the Committees

- The above Inspection Committee shall visit to all facilities housing children in the area allocated, at least once in three months in a team of not less than three members, of whom at least one shall be a woman and one shall be a medical officer.
- The Committee shall also make suggestions for improvement and development of the institution.
- The Committee may visit the institutions either by prior intimation or make a surprise visit.
- The Committee shall interact with the children during the visits to the institution, to determine their well-being and uninhibited feedback.
- The follow-up action on the findings and suggestion of the children shall be taken by all concerned authorities.
- The action taken report, findings and suggestions from the Inspection Committee shall be submitted within a week of their visit to the concerned District Child Protection Units or H.P. State Child Protection Society, as the case may be, for further action.

- On the submission of the report by the inspection committee within a week of the inspection, appropriate action shall be taken within a month by the District Child Protection Unit or H.P. State Child Protection Society and a compliance report shall be submitted to the State Government through Director, Women and Child Development.

By order,
ANURADHA THAKUR,
Secretary (SJ&E).

कार्मिक विभाग (नि०-III)

अधिसूचना

शिमला-02, 18 मार्च, 2016

संख्या: पीईआर (एपी)-सी-ए (3)-3/2014.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में हिमाचल प्रदेश अधीनस्थ सहबद्ध सेवाओं/पदों, (वर्ग-II/वर्ग-III, अराजपत्रित) की परीक्षा और भर्ती की बाबत, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश अधीनस्थ सहबद्ध सेवा/पद (वर्ग-II/वर्ग-III, अराजपत्रित) परीक्षा नियम, 2016 है।

(2) ये नियम राजपत्र राजपत्र (ई-गजट), हिमाचल प्रदेश में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. **परिभाषाएँ:**—इन नियमों में, जब तक कि सदर्थ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अपैण्डिक्स" से इन नियमों से संलग्न अपैण्डिक्स अभिप्रेत हैं;

(ख) "आयोग" से हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है;

(ग) "परीक्षा" से हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित परीक्षा अभिप्रेत हैं;

(घ) "सरकार" से हिमाचल प्रदेश सरकार अभिप्रेत हैं;

(ङ) राज्यपाल से हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल अभिप्रेत हैं;

(च) "अन्य पिछड़ा वर्ग" से राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर यथाविनिर्दिष्ट नागरिकों के अन्य पिछड़ा वर्ग अभिप्रेत हैं;

(छ) "अनुसूचित जाति" से भारत के संविधान के अनुच्छेद 341 के अधीन हिमाचल प्रदेश राज्य के सम्बन्ध में अनुसूचित जाति के रूप में विनिर्दिष्ट कोई जाति, मूलवंश या जनजाति अथवा ऐसी जाति, मूलवंश या जनजाति का भाग या उसका कोई समूह अभिप्रेत है;

(ज) "अनुसूचित जनजाति" से भारत के संविधान के अनुच्छेद 342 के अधीन हिमाचल प्रदेश राज्य के सम्बन्ध में जनजाति के रूप में विनिर्दिष्ट कोई जनजाति या जनजातीय समुदाय का भाग या उसका कोई समूह अभिप्रेत है; और

(झ) "राज्य" से हिमाचल प्रदेश राज्य अभिप्रेत है।

3. (1) निम्नलिखित सेवाओं/पदों की भर्ती के लिए आयोग द्वारा संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा संचालित की जाएगी:—

- (1) तहसील कल्याण अधिकारी;
- (2) निरीक्षक (आबकारी एवं कराधान);
- (3) निरीक्षक (नागरिक आपूर्ति);
- (4) निरीक्षक (पंचायत);
- (5) निरीक्षक (सहकारिता);
- (6) विस्तार अधिकारी (उद्योग);
- (7) निर्वाचन कानूनगो; और
- (8) मुख्य सेविका।

(2) संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा निम्न प्रकार से दो आनुक्रमिक चरणों की होगी:—

(क) प्रारम्भिक परीक्षा—मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों के चयन हेतु आयोग द्वारा वस्तुनिष्ठ प्रकार की प्रारम्भिक परीक्षा का संचालन किया जाएगा। परीक्षा की स्कीम और पाठ्यक्रम ऐसा होगा जैसा अपैडिक्स-I में उपबन्धित है।

(ख) मुख्य परीक्षा (लिखित और साक्षात्कार)—विभिन्न सेवाओं और पदों के लिए अभ्यर्थियों के अंतिम चयन हेतु मुख्य परीक्षा (लिखित और साक्षात्कार) आयोग द्वारा संचालित की जाएगी। परीक्षा की स्कीम और पाठ्यक्रम ऐसा होगा जैसा अपैडिक्स-II में दिया गया है। किसी भी अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा में तब तक अर्हित नहीं समझा जाएगा जब तक कि वह समस्त पेपरों में संकलित (कुल मिलाकर) चालीस प्रतिशत अंक और प्रत्येक पेपर में कम से कम पैंतीस प्रतिशत अंक अभिप्राप्त नहीं कर लेता।

(ग) परीक्षा फीस ऐसे संदेय होगी जैसा पदों के विज्ञापन के लिए आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट की गई हो।

4. (1) प्रारम्भिक परीक्षा में, आयोग द्वारा यथाविनिश्चित न्यूनतम अंक अभिप्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को उनके द्वारा अभिप्राप्त अंकों के अनुसार मेरिट के क्रम में सूचीबद्ध किया जाएगा। इन अभ्यर्थियों में से प्रायः विभिन्न श्रेणियों के अन्तर्गत अभ्यर्थी, जिन्होंने समान अंक अभिप्राप्त किए हैं, यदि कोई हों, को सम्मिलित करने के अतिरिक्त रिक्तियों की कुल संख्या के बीस गुणा को मुख्य परीक्षा के लिए अर्हित समझा जाएगा और प्रारम्भिक परीक्षा का परिणाम तदनुसार घोषित किया जाएगा। मुख्य परीक्षा के लिए अर्हित होने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, भूतपूर्व सैनिक, शारीरिक रूप से निःशक्त, स्वतन्त्रता सैनानियों के आश्रितों और आई आर डी पी/बी. पी. एल. से सम्बन्धित अभ्यर्थियों की सूची पृथक्: तैयार की जाएगी और उनका परिणाम तदनुसार घोषित किया जाएगा। प्रारम्भिक शिक्षा, मुख्य परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों के चयन के लिए केवल छंटनी परीक्षा होगी और इस परीक्षा में अभिप्राप्त अंको को अभ्यर्थियों के अंतिम चयन के समय विचारा नहीं जाएगा।

(2) मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने वाले और आयोग द्वारा यथा विनिश्चित न्यूनतम अंक अभिप्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट सूची मुख्य परीक्षा में उनके द्वारा अभिप्राप्त कुल अंकों के क्रम में श्रेणीवार तैयार की जाएगी तथा विभिन्न सेवाओं के अधीन समान अंक अभिप्राप्त करने वाले यदि कोई हों, को सम्मिलित करने के अतिरिक्त, विज्ञापित पदों की कुल संख्या के तीन गुणा के बराबर अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने हेतु अर्हित समझा जाएगा। इसी प्रकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, भूतपूर्व सैनिक, शारीरिक रूप से निःशक्त, स्वतन्त्रता सैनानियों के आश्रितों और आई आर डी पी/बी. पी. एल. से सम्बन्धित अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने हेतु अर्हित हैं, की पृथकतः सूची तैयार की जाएगी।

(3) (क) साक्षात्कार के पश्चात, अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार में उनके द्वारा कुल मिलाकर अभिप्राप्त अंको के अनुसार मेरिट के क्रम में सूचीबद्ध किया जाएगा। अंको की बराबरी की दशा में, मेरिट का क्रम मौखिक परीक्षा में प्राप्त किए गए अधिकतम अंकों के अनुसार विनिश्चित किया जाएगा और यदि मौखिक परीक्षा में भी अभ्यर्थियों के अंक बराबर हो तो मेरिट का क्रम ऐसे अभ्यर्थियों द्वारा लिखित परीक्षा में कुल मिलाकर अभिप्राप्त अधिकतम अंको के अनुसार विनिश्चित किया जाएगा और यदि लिखित परीक्षा के कुल मिलाकर अंको के बराबर होने की दशा में अभ्यर्थी, जो आयु में ज्येष्ठ है, को आयु में कनिष्ठ अभ्यर्थियों से ऊपर रखा जाएगा। किसी विशिष्ट सेवा के लिए अभ्यर्थियों की संस्तुति करते समय साक्षात्कार के समय पर, उसके द्वारा अधिमान पत्रक (शीट) में अभिव्यक्त अधिमान (यदि कोई हो) का, निम्नलिखित शर्तों के अधीन, सम्यक रूप से ध्यान रखा जाएगा।

- (i) साक्षात्कार के समय विज्ञापित पदों के लिए अभ्यर्थियों से अधिमान पत्रक प्राप्त किया जाता है और इस अधिमान पत्रक में दर्शाए गए अधिमान के क्रम के अनुसार मेरिट के क्रम में अभ्यर्थी का चयन किया जाता है। एक बार अधिमान पत्रक प्रस्तुत किए जाने पर तत्पश्चात् उसमें कोई परिवर्तन/संशोधन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा और इस सम्बन्ध में किसी अभ्यावेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।
- (ii) अभ्यर्थियों को केवल उन पदों के लिए और उसी क्रम में, जो उन्होंने अधिमान पत्रक में दर्शाया है, चयन के लिए विचारा जाएगा। अधिमान पत्रक में उनके द्वारा वर्णित नहीं किए गए किसी पद के लिए, इस तथ्य के बावजूद कि मेरिट के क्रम में वे उन पदों के चयन के लिए पात्र है, उन पर विचार नहीं किया जाएगा।
- (iii) यदि किसी अभ्यर्थी ने सम्यक रूप से भरकर अधिमान पत्रक आयोग को प्रस्तुत नहीं किया है या अधिमान पत्रक उसके हस्ताक्षर के बिना प्रस्तुत किया गया है या अधिमान पत्रक में कोई विकल्प/अधिमान, जो भी हो, अभिव्यक्त नहीं किया है तो उसे समस्त पदों के लिए उसी क्रम में विचार किया जाएगा जैसे वे विज्ञापन में सूचीबद्ध किए गए हैं।

(ख) अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों, शारीरिक रूप से निःशक्तों, स्वतन्त्रता सैनानियों के आश्रितों और आई आर डी पी/बी. पी. एल. से सम्बन्धित अभ्यर्थियों की दशा में प्रत्येक पद के लिए मेरिट सूची, उनके लिए आरक्षित रिक्तियों के विस्तार तक, पृथकतः उसी प्रकार से तैयार की जाएगी। अभ्यर्थी का परीक्षा परिणाम उसी प्रवर्ग के अधीन घोषित किया जाएगा जो उसने आवेदन पत्र में उल्लिखित किया है। यदि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग से सम्बन्धित कोई अभ्यर्थी उसके संकलित अंकों के फलस्वरूप सामान्य सूची में स्थान प्राप्त कर लेता है तो उसे सामान्य सूची में दर्शाया जाएगा; परन्तु आयु सीमा, अनुभव, अर्हता, विचारणीय क्षेत्र में छूट, जो सामान्य प्रवर्ग के अभ्यर्थियों को उपबन्धित से अधिक है, उसके मामले में लागू नहीं है। ऐसे आरक्षित प्रवर्ग के अभ्यर्थियों की गणना अनारक्षित पदों के विरुद्ध केवल तभी की जाएगी यदि वे सामान्य प्रवर्ग के अभ्यर्थी की भांति, किसी आयु सीमा, अनुभव, अर्हता, विचारणीय क्षेत्र में (अर्हता अंको का कट आफ) जो सामान्य प्रवर्ग के अभ्यर्थियों को उपबन्धित से अधिक है, किसी शिथिलीकरण के बिना सभी प्रकार से मेरिट प्राप्त कर लेते हैं। ऐसा समायोजन केवल अंतिम चयन परिणामों की घोषणा के समय पर ही किया जाएगा न कि प्रारम्भिक/मुख्य परीक्षा के समय पर यदि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को शिथिल स्तरमानों द्वारा आवेदन करके प्रारम्भिक परीक्षा अर्हित की है और

उसके द्वारा संकलित प्राप्त अंको के फलस्वरूप सामान्य सूची में स्थान प्राप्त कर लेते हैं, को सामान्य/अनारक्षित रिक्ति के विरुद्ध नहीं विचारा जाएगा। भूतपूर्व सैनिकों, शारीरिक रूप से निःशक्तों, स्वतन्त्रता सैनानियों के आश्रितों और आई आर डी पी/बी. पी. एल. अभ्यर्थियों को, उस श्रेणी जो उनकी मेरिट को विचार में लाए बिना विज्ञापन में उनके लिए आरक्षित दर्शाई गई हैं, केवल ऐसे पदों के लिए ही चयनित किया जाएगा।

5. आयोग की संस्तुतियां प्राप्त होने पर सरकार अभ्यर्थियों के बारे में यह सुनिश्चित करने के आशय से कि वे सम्बद्ध पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हैं ऐसी जांच करवाएगी जैसी यह उचित समझे। सरकार अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने/न देने का अधिकार रखती है।

6. पात्रता शर्त:-

(1) राष्ट्रीयता:- अभ्यर्थी भारत का नागरिक अवश्य होना चाहिए।

(2) न्यूनतम शैक्षिक अर्हता:- अभ्यर्थी के पास भारत में केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय या संसद के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन डीम्ड विश्वविद्यालय, घोषित अन्य शैक्षणिक संस्थाओं से स्नातक की उपाधि अवश्य होनी चाहिए या वह इसके समतुल्य अर्हता रखता हो।

टिप्पण:- व्यावसायिक और तकनीकी अर्हताएं जो राज्य सरकार द्वारा व्यावसायिक या तकनीकी उपाधि के समतुल्य मान्यता प्राप्त हैं, रखने वाले अभ्यर्थी भी परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।

(3) अभ्यर्थी ने उस वर्ष की प्रथम जनवरी जिसको पद (पदों) को आवेदन आमन्त्रित करने के लिए विज्ञापित किया गया है, 18 (अठारह) वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है किन्तु 45 (पैंतालीस) वर्ष की आयु पूर्ण न की हो।

परन्तु सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए ऊपरी आयु सीमा, तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों सहित, पहले से ही सरकार की सेवा में रत अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी :

परन्तु यह और कि यदि तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिक आयु का हो गया हो, तो वह तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में छूट के लिए पात्र नहीं होगा :

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए ऊपरी आयु सीमा में उतनी ही छूट दी जा सकेगी, जितनी हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेश (आदेशों) के अधीन अनुज्ञेय है:

परन्तु यह और भी कि पब्लिक सेक्टर, निगमों तथा स्वायत्त निकायों के सभी कर्मचारियों को जो ऐसे पब्लिक सेक्टर, निगमों तथा स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों में आमेसन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु सीमा में ऐसी ही रियायत दी जाएगी, जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सेक्टर, निगमों तथा स्वायत्त निकायों के ऐसे कर्मचारिवृन्द को नहीं दी जाएगी, जो पश्चात्पूर्वी ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों द्वारा नियुक्त किए गए थे/किए गए हैं और उन पब्लिक सेक्टर, निगमों/स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात् ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमेलित किए गए हैं/किए गए थे।

7. नियम 6(3) में यथा उपस्थित के सिवाय, विहित आयु सीमा किसी दशा में शिथिल नहीं की जाएगी। आयोग केवल वही जन्म तिथि स्वीकार करेगा जो दसवीं या सैकेंडरी स्कूल परीक्षा

प्रमाण-पत्र या उसके समतुल्य समझी गई किसी परीक्षा के प्रमाण पत्र में अभिलिखित की गई हैं। मुख्य परीक्षा के आवेदन पत्र के साथ हाई स्कूल/हायर सैकेंडरी के प्रमाण-पत्र/अंक सूची जिसमें जन्म तिथि स्पष्टतया वर्णित हो अवश्य संलग्न की जानी चाहिए, ऐसा न होने पर, आवेदन पत्र अस्वीकृत किया जाएगा। आयु से सम्बन्धित कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथ-पत्र, नगर निगम सेवा अभिलेखों से लिए गए जन्म सम्बन्धी उद्घरण और इसी भौति के अन्य दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे। आवेदन पत्र में एक बार जब जन्म तिथि अभिलिखित हो गई है तो किसी भी परिस्थिति में उसमें किसी परिवर्तन के लिए अनुरोध विचारणीय नहीं होगा और समस्त ऐसे अभ्यावेदन अस्वीकार कर दिए जाएंगे। प्रारम्भिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा के आवेदन पत्र में दी गई जानकारी के बीच भिन्नता पाए जाने पर आवेदन अस्वीकृत किया जा सकेगा।

8. किसी भी व्यक्ति जिसमें अपने पति या पत्नी के जीवित रहते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया है या किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसका पति/पत्नी जीवित है, सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा:

परन्तु यदि सरकार का समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के लिए विधिक आधार भी है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

9. परीक्षा में सफलता नियुक्ति का कोई अधिकार प्रदत्त नहीं करती हैं जब तक कि सरकार की ऐसी जाँच, जैसी यह आवश्यक समझे, के पश्चात समाधान नहीं हो जाता है कि अभ्यर्थी सेवा में नियुक्ति के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त है।

10. परीक्षा में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की पात्रता या अन्य मामलों के बारे में आयोग का विनिश्चय अंतिम होगा। इस विषय पर कोई भी अभ्यावेदन या पत्राचार ग्रहण नहीं किया जाएगा। प्रारम्भिक परीक्षा के लिए प्रवेश अन्तिम होगा। यदि चयन के किसी प्रक्रम में सत्यापन करने पर यह पाया जाता है कि अभ्यर्थी समस्त पात्रता शर्तों को पूरा नहीं करता है या मिथ्या/गलत जानकारी देता है तो उसकी अभ्यर्थिता रद्द कर दी जाएगी। यदि उसका कोई दावा गलत पाया जाता है तो वह आयोग द्वारा नीचे दिए गए नियम 14 के निबन्धनों के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई के लिए दायी होगा।

केवल इस तथ्य से कि अभ्यर्थी को परीक्षा का प्रवेश कार्ड/पत्र जारी कर दिया गया है यह विवक्षित नहीं होगा कि उसकी अभ्यर्थिता अन्तिम रूप से अप्रतिसंहरणीय रूप से आयोग द्वारा स्वीकार कर ली गई है या यह कि अभ्यर्थी द्वारा प्रारम्भिक परीक्षा के लिए उसके आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टियाँ सही और शुद्ध रूप से आयोग द्वारा स्वीकार कर ली गई हैं। प्रारम्भिक परीक्षा केवल एक छंटनी परीक्षा है इसलिए आयोग प्रारम्भिक परीक्षा के लिए आवेदन पत्र के साथ किसी प्रमाण पत्र की मांग नहीं करता है और परीक्षा के लिए पात्रता की उस स्तर पर जाँच नहीं की जाती है। समस्त आवेदकों को बिना अपवाद के प्रारम्भिक परीक्षा में प्रवेश दिया जाएगा परन्तु मुख्य परीक्षा के आवेदन पत्रों की सूक्ष्म जाँच मुख्य परीक्षा का परिणाम तैयार करते समय अर्थात् साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों की पात्रता का अवधारण करते समय की जाएगी। उन आवेदन पत्रों को जिनके साथ अपेक्षित प्रमाण-पत्र संलग्न न किए गए हों, अस्वीकृत किया जाएगा। इसलिए अभ्यर्थी आवेदन करने से पूर्व पूर्णतयः सुनिश्चित करेंगे कि वे विज्ञापन में अधिकथित अपेक्षाओं/शर्तों को पूरा करते हैं।

11. किसी भी अभ्यर्थी को प्रारम्भिक परीक्षा या मुख्य परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग द्वारा जारी किया गया प्रवेश पत्र (कार्ड) न हो। यदि प्रवेश पत्र (कार्ड) में कोई भी त्रुटि ध्यान में आए तो अभ्यर्थी का दायित्व होगा कि वह उसके संशोधन के लिए तत्काल आयोग के कार्यालय में सम्पर्क करे।

12. उस प्राप्त आवेदन पत्र को जो भागतः भरा गया हो/गलत रूप से भरा गया हो/लिप्तलेखित हो/वांछित स्थानों पर हस्ताक्षरित न हो/ जिसमें वांछित संख्या में फोटोग्राफ स्वहस्ताक्षरित न पाए गए हों या जो समुचित बैंक ड्राफ्ट के बिना हो, रद्द कर दिया जाएगा।

13. (1) आयु में किसी शिथिलीकरण का या किसी अन्य रियायत का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए अपने आवेदन पत्रों के साथ सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी समुचित प्रमाण-पत्र की छाया प्रति संलग्न करनी होगी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या पिछड़ा वर्ग से सम्बन्धित स्थाई जाति प्रमाण-पत्र, उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक) जो हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत है, आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना होगा। विवाहित महिलाओं की दशा में केवल उनके पिता द्वारा धारित जाति प्रमाण पत्र ही स्वीकार किया जाएगा। यदि कोई अभ्यर्थी साक्षात्कार के समय मूल रूप में स्थाई जाति प्रमाण पत्र और अन्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने में असफल रहता है तो उसकी अभ्यर्थिता रद्द कर दी जाएगी जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं उत्तरदायी होगा। अपेक्षित प्रमाण-पत्र (पत्रों) के अभाव में किसी शिथिलीकरण/छूट के किसी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

(2) भूतपूर्व सैनिक अभ्यर्थी को मुख्य परीक्षा के समय पर आवेदन पत्र के साथ उन्मोचन प्रमाण-पत्र (डिस्चार्ज सर्टिफिकेट) प्रस्तुत करना होगा।

14. यदि कोई अभ्यर्थी आयोग द्वारा निम्नलिखित का दोषी पाया जाता है—

- (1) अपनी अभ्यर्थिता के लिए, चाहे लिखित परीक्षा या साक्षात्कार में, किसी साधन द्वारा सहायता अभिप्राप्त करने, या
- (2) प्रतिरूपण करना, या
- (3) किसी व्यक्ति से/द्वारा प्रतिरूपण प्राप्त करने, या
- (4) जाली दस्तावेज या छेड़छाड़ (बिगाड़े) किए गए दस्तावेज प्रस्तुत करने, या
- (5) ऐसे कथन करना जो गलत या मिथ्या है या चयन के किसी प्रक्रम पर सारभूत जानकारी छिपाने, या
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित साधन अपनाने, या
- (7) परीक्षा हॉल में अनुचित साधनों का उपयोग या उसका उपयोग करने का प्रयास करना, या
- (8) परीक्षा का संचालन करने में लगाए गए कर्मचारिवृन्द का उत्पीड़न करना, धमकी देना या शारीरिक क्षति कारित करने, या
- (9) अभ्यर्थियों को उनके प्रवेश पत्र में दिए गए किसी अनुदेश या परीक्षा संचालन करने में लगाए गए केन्द्र पर्यवेक्षक या अन्य कर्मचारिवृन्द द्वारा दिए गए मौखिक निर्देशों सहित अन्य निर्देशों का उल्लंघन करने, या
- (10) परीक्षा हॉल या साक्षात्कार में किसी अन्य रीति में दुर्व्यवहार करने के लिए स्वयं को दंडित अभियोजन के लिए दायी बनने के अतिरिक्त वह निम्न के लिए भी दायी होगा/होगी—

(क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा से, जिसके लिए वह अभ्यर्थी है, निरर्हित करने, और/या

(ख) या तो स्थायी रूप से विनिर्दिष्ट अवधि के लिए उसे—

(i) आयोग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा से या उसके द्वारा किए गए चयन से,

(ii) राज्य सरकार द्वारा उसके अधीन नियोजन से, विवर्जित किए जाने; और

(ग) यदि वह पहले से ही सरकार की सेवा में है तो उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई के लिए; किन्तु इस नियम के अधीन कोई शास्ति,—

(i) अभ्यर्थी को लिखित में ऐसा अभ्यावेदन करने का अवसर दिए बिना जो वह इस निमित्त देना चाहे, और

(ii) अभ्यर्थी द्वारा उसे अनुज्ञात अवधि के भीतर प्रस्तुत किए गए आवेदन, यदि कोई है, पर विचार किए बिना अधिरोपित नहीं की जाएगी ।

15. मुख्य परीक्षा के लिए विहित तारीख के पश्चात् प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। आयोग, आवेदन पत्रों के डाक/कुरियर सेवा के दौरान देरी से प्राप्त होने, विकृत होने या गुम हो जाने की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा। एक लिफाफे में केवल एक ही आवेदन पत्र स्वीकार किया जाएगा। प्रत्येक ऐसा आवेदन, जो आयोग के कार्यालय में काउन्टर पर या तो डाक से प्राप्त हुआ हो, की अभिस्वीकृति दी जाएगी और आवेदन पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में अभ्यर्थी को रजिस्ट्रीकरण नम्बर जारी किया जाएगा। इस तथ्य का, कि अभ्यर्थी को रजिस्ट्रीकरण नम्बर जारी कर दिया गया है, स्वतः यह अर्थ नहीं लगाया जाएगा कि आवेदन सभी प्रकार से पूर्ण हैं और इसे आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। आवेदन पत्र के विलम्ब से प्राप्ति के सम्बन्ध में कोई पत्र व्यवहार या अभ्यावेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। परीक्षा में प्रवेश हेतु अभ्यर्थी की पात्रता की बाबत या अन्यथा आयोग का विनिश्चय अंतिम होगा।

16. आयोग को आवेदन पत्र में अभिलिखित अधिमान के दृष्टिगत परीक्षा के लिए अभ्यर्थी को केन्द्र आबंटित करने का अधिकार है। आयोग के लिए अभ्यर्थी को वांछित परीक्षा केन्द्र आबंटित करना आवश्यक और वाध्यकारी नहीं है। आयोग द्वारा परीक्षा केन्द्रों का आबंटन परीक्षा केन्द्रों की क्षमता और प्रशासनिक सुविधा के दृष्टिगत किया जाता है। केन्द्र में या आवेदन पत्र में किसी अन्य प्रविष्टि के परिवर्तन के लिए कोई अभ्यावेदन ग्रहण नहीं किया जाएगा।

17. यदि कोई अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र में दिए गए पते से भिन्न पते पर आयोग से कोई संसूचना प्राप्त करना चाहता है तो पते में ऐसा परिवर्तन 11.5 सें0 मी0 ग 27.5 सें0 मी0 आकार के दो स्वयं के पते के पर्याप्त स्टांपित लिफाफों सहित यथाशीघ्र आयोग को संसूचित करेगा जिसमें वह अपना रजिस्ट्रीकरण नम्बर और परीक्षा का नाम अभिलिखित करेगा। आयोग ऐसा परिवर्तन करने की बाबत हर सम्भव प्रयत्न करेगा।

18. आयोग प्रारम्भिक परीक्षा की बाबत अंक तालिकाएं नहीं भेजेगा क्योंकि यह केवल एक छंटनी परीक्षा है। इसलिए इस सम्बन्ध में कोई पत्राचार ग्रहण नहीं किया जाएगा। मुख्य परीक्षा में उपस्थित हुए अभ्यर्थियों के अंक अंतिम चयन परिणामों के प्रकाशन के पश्चात् आयोग की बैबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। आयोग द्वारा संचालित परीक्षाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए कोई प्रावधान नहीं होगा।

19. साक्षात्कार के समय उपस्थित होने वाले हिमाचल प्रदेश के अधिवसित आरक्षित प्रवर्गों (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के बेरोजगार अभ्यर्थी/शारीरिक रूप से अक्षम अभ्यर्थियों को उनके दावों के संदर्भ में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने पर उनके निवास स्थान से और वापसी तक का यात्रा व्यय आयोग के कार्यालय द्वारा संदत्त किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए विज्ञापन में दी गई विभिन्न रियायतें केवल उन्हीं को ही लागू होगी जो हिमाचल प्रदेश के स्थायी निवासी हैं और हिमाचल सरकार द्वारा इस रूप में अधिसूचित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से तथा हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अन्य पिछड़ा वर्गों से सम्बन्ध रखते हैं, अन्य राज्यों के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को अनारक्षित प्रवर्ग से सम्बन्धित समझा जाएगा। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अन्य पिछड़ा वर्गों के समुन्नत वर्ग

(क्रीमी लेयर) से सम्बन्धित अभ्यर्थियों को आरक्षण, आयु सीमा में छूट और अन्य प्रसुविधाएं अनुज्ञात नहीं की जाएंगी।

20. किसी विशिष्ट सेवा के लिए अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों को ऐसा प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी जैसी सरकार द्वारा विहित की जाए। उनसे हिमाचल प्रदेश में किसी भी स्थान पर सेवा करना और प्रस्थापित की गई किसी नियुक्ति को तत्काल लेना अपेक्षित होगा।

21. इन नियमों के निर्वचन से सम्बन्धित यदि कोई प्रश्न उत्पन्न होता है जो उसे सरकार द्वारा आयोग के परामर्श से विनिश्चित किया जाएगा।

22. इन नियमों के तत्स्थानी और इन नियमों के आरम्भ होने से तत्काल पूर्व प्रवृत्त समस्त नियमों को इन नियमों के अन्तर्गत आने वाले मामलों की बाबत एतद् द्वारा निरसित किया जाता है:

परन्तु इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्रवाई, इन नियमों के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन की गई समझी जाएगी।

आदेश द्वारा,
तरुण श्रीधर,
अति० मुख्य सचिव (कार्मिक)।

APPENDIX-I

Standard/Syllabus of Preliminary Examination

The recruiting Agency shall limit/shortlist the number of eligible candidates to be called for written examination by subjecting them to a screening test (objective Type) of three hours duration. In the objective type screening test there will be 200 multiple choice questions of one mark each on the basis of the following syllabus. The marks obtained by the candidates who are declared qualified for admission to written examination will not be counted for detaining their final order of merit. The number of candidates to be admitted to the written examination will be 20(Twenty) times the total approximate number of vacancies to be filled.

1. History, geography and socio economic development of Himachal Pradesh.

60 Marks

2. Knowledge of current events of the national international importance and such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject.

60 Marks

3. Modern History (From 1857 onwards) of India, Indian Culture, Indian Polity, Indian Economy, Geography of India, disaster management, Environment and Gender issues and teaching of Mahatma Gandhi.

80 Marks.

Standard/Syllabus of Main Examination

1. Paper -I English(Conventional -03 Hours)

Candidates will be required to answer questions designed to test their understanding of English and workmen like use of words. Some of the questions will be devised to test also their reasoning power, their capacity to perceive implications their ability to distinguish between the important and the less important and to write an essay. Passage will usually be set for summary or précis. Credit will be given for concise and effective expression.

Maximum Marks-150

2. Paper-II Hindi (Conventional (03 Hours)

- (i) Translation of an English passage into Hindi.
- (ii) Explanation of Hindi passage in Prose and Poetry in same language.
- (iii) Composition(Essay, Idioms, correction etc.)

Maximum Marks-150

3. Paper-III (General Knowledge(03 Hours)

History, geography and socio economic development of Himachal Pradesh . Knowledge of current events of National and International importance and of such matter of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on Modern History(From 1857 onwards) of India, Indian Culture, Indian Polity, India Economy and Geography of India of such nature as candidates should be able to answer without special study and questions on the teachings of Mahatma Gandhi.

Maximum Marks-200

4. Viva Voce:-

The candidate will be interviewed by the Commission which will have before it a record of his career. He will be asked questions in matters of General interest. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for the service(s)/post(s) for which he has applied and to judge the mental caliber of candidates. In broad terms, this is really an assessment of his intellectual qualities such as mental alertness, variety and depth of interest, ability for social cohesion and leadership , intellectual and moral integrity.

Maximum Marks-100

Note:— Marks obtained by the candidates in the written examination and viva- voce would determine their final ranking. In the event of a tie, order of merit shall be determined in accordance with the higher marks secured in viva-voce and in case the marks in the viva-voce of the candidates tie, then the order of merit shall be decided in accordance with the higher marks obtained by such candidates in

the aggregate of the written examination and in case the marks in the aggregate of the written examination tie then the candidate who is senior in age will be placed above the candidates junior in age.

[Authoritative English text of Government Notification No. Per (AP)-C-A(3)-3/2014 dated: 18-3-2016 as required under clause (3) of article 348 of the Constitution of India].

**PERSONNEL DEPARTMENT
(AP-III)**

NOTIFICATION

Shimla-2, the 18th March, 2016.

No. Per (AP)-C-A(3)-3/2014.—In exercise of the powers conferred by proviso to article 309 of the Constitution of India, the Governor of Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the following rules in respect of examination and recruitment to the Himachal Pradesh Subordinate **Allied Services/Posts** (Class-II/Class-III, Non-Gazetted) born on various departments of the State Government, namely:—

1. (1) These rules may be called the Himachal Pradesh Subordinate Allied Services /Posts (Class-II/III, Non-Gazetted) Examination Rules, 2016.

(2) These rules shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra(e-Gazette) Himachal Pradesh.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires, -

- (a) "Appendix" means appendix appended to these rules;
- (b) "Commission" means Himachal Pradesh Public Service Commission;
- (c) "Examination" means examination conducted by the Himachal Pradesh Public Service Commission;
- (d) "Government" means Government of Himachal Pradesh;
- (e) "Governor" means Governor of Himachal Pradesh;
- (f) "Other Backward Classes" means the Other Backward Classes of citizens as specified by the State Government from time to time;
- (g) "Scheduled Castes" means any caste, race or tribe or part of or group within the caste, race or tribes specified as Scheduled Castes with respect to the State of Himachal Pradesh under article 341 of the Constitution of India;
- (h) "Scheduled Tribes" means any tribe, tribal community or part of or group within a tribe, tribal community specified as Scheduled Tribes with respect to the State of Himachal Pradesh under article 342 of the Constitution of India; and
- (i) "State" means State of Himachal Pradesh.

3. (1) A combined competitive examination for recruitment to the following services/posts will be conducted by the Commission:—

1. Tehsil Welfare Officer;
2. Inspector (Excise & Taxation);
3. Inspector (Civil Supplies);
4. Inspector (Panchayat);
5. Inspector (Co-operative);
6. Extension Officer (Industries);
7. Election Kanungo; and
8. Mukhiya Sevikas.

(2) The combined competitive examination shall consist of two successive stages as under:—

- (a) **Preliminary Examination.**—For selection of candidates for the Main Examination, an objective type preliminary examination shall be conducted by the Commission. The scheme of examination and syllabi shall be as provided under Appendix- I.
- (b) **Main Examination (written and interview).**—For final selection of candidates for the various services and posts main examination(written and interview) shall be conducted by the Commission. The scheme of examination and syllabi shall be as given under Appendix II. No candidate would be considered to have qualified the written test unless he obtains 40% marks in aggregate in all papers and atleast 35% marks in each paper.
- (c) Examination Fees shall be payable as specified by the Commission in the advertisement of the posts.

4. (1) The candidates obtaining minimum marks in the preliminary examination, as decided by the Commission, shall be listed in the order of merit according to marks obtained by them. Out of these candidates at the most as many as equal to twenty times the total number of vacancies under various categories besides including those, if any, who obtained equal number of marks will be deemed to qualify for the Main Examination and the result of the Preliminary Examination shall be declared accordingly. The list of candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes, Ex-serviceman, Physically Handicapped, Wards of Freedom Fighters and IRDP/BPL qualifying for the Main Examination, shall be prepared separately and their results declared accordingly. Preliminary Examination will serve only as a screening test for selecting candidates for the Main Examination and the marks obtained in this examination will not be considered at the time of the final selection of the candidates.

(2) The merit list of the candidates appearing in the Main Examination and obtaining such minimum marks, as decided by the Commission, will be prepared category-wise in the order of total marks obtained by them in the Main Examination and candidates equal to three times the total number of advertised posts under various services will be deemed to qualify for being called for interview, besides including those, if any, who obtain equal number of marks. Similarly a separate list of candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes, Ex-Servicemen, Physically Handicapped, Wards of Freedom Fighters and IRDP/BPL who qualify for being called for interview, shall be prepared.

(3) (a) After the interview, the candidates will be listed by the Commission in the order of merit, according to the aggregate of marks obtained by them in the Main Examination and the interview taken together. In the event of tie, order of merit shall be determined in accordance with highest marks secured in the viva-voce and if the marks in viva-voce of the candidates are also equal, then the order of merit shall be decided in accordance with the highest marks obtained by such candidates in the aggregate of the written examination and in case the marks in aggregate of written examination tie, then candidate who is senior in age will be placed above the candidate junior in age. Due consideration will be given, while recommending a candidate for a particular service, to the preference, (if any), expressed by him/her in the preference sheet, at the time of interview, subject to the following conditions:—

- (i) Preference sheet for the advertised posts is obtained from the candidates at the time of the interview and the candidate is selected in the order of merit according to the order of preference shown in this preference sheet. Once the preference sheet has been submitted, no change/amendment therein shall be permitted thereafter and no representation will be considered in this regard.
- (ii) The candidates will be considered for selection only for those posts and in the order as indicated by him/her in the preference sheet. They will not be considered for any post not mentioned by them in the preference sheet, irrespective of the fact that in the order of merit they are eligible for selection to those posts.
- (iii) If a candidate has not submitted the preference sheet duly filled in, to the Commission, or has submitted the preference sheet without his/her signature or has not expressed any choice/preference whatsoever in the preference sheet, will be considered for all posts in the order in which these have been listed in the advertisement.

(b) Merit list for each post in the case of candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes, Ex- Servicemen, Physically Handicapped, Wards of Freedom Fighters and IRDP/BPL, will be similarly prepared separately, to the extent of vacancies reserved for them. The result of the candidate will be declared under the category mentioned by him/her in the application form. If a candidate belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes or Other Backward Classes, by virtue of his aggregate marks, finds a place in the general list; he/she shall be shown in the general list; provided that relaxation in the age limit, experience, qualification, zone of consideration larger than what is provided for general category candidates is not applied in his/her case. Such reserved category candidates shall be counted against unreserved posts only if they secure merit in all respects like a candidate of a general category, without any relaxation in the age limit, experience, qualification, zone of consideration (cut off qualifying marks) larger than what is provided for general category candidates. Such adjustment will be made only at the time of declaring the final selection results and not at the time of preliminary/main examination. The Scheduled Castes, Scheduled Tribes or Other Backward Classes candidates who qualify the preliminary examination by applying relaxed standard and by virtue of his aggregate marks finds a place in the general list, shall not be considered against general/un-reserved vacancy. Ex-Servicemen, physical handicapped, wards of freedom fighters and IRDP/BPL candidates will be selected only for such posts, under the class, as has been shown reserved for them in the advertisement irrespective of their merit.

5. On receiving the recommendations of the Commission, the Government shall make such enquiries about the candidates, as it may deem fit, in order to ensure that they are suitable in all respects for appointment to the posts concerned. The Government reserves the right to offer/decline appointment to the candidates.

6. Eligibility Conditions:

(1) **Nationality**.—The candidate must be a citizen of India.

(2) **Minimum educational qualification**.—A candidate must hold a bachelor degree of any of the universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other Educational Institutions established by an Act of Parliament or declared to be a deemed university under section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possesses an equivalent qualification.

Note.—Candidates possessing professional and technical qualifications, which are recognized by the State Government as equivalent to professional or technical degree, would also be eligible for admission to the examination.

(3) **Age**.—A Candidate must have attained the age of 18 (eighteen) years and must not have attained the age of 45 (forty five) years on the first of January in which the post(s) are advertized for inviting applications:

Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on adhoc or on contract basis:

Provided further that if a candidate appointed on adhoc basis or on contract basis had become over-age on the date he /she was appointed as such he/she shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his/her such adhoc or contract appointment:

Provided further the upper age limit is relaxable for Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other categories of persons to the extent permissible under the general or special order(s) of the Himachal Pradesh Government:

Provided further that the employees of all the Public Sector Corporations and Autonomous Bodies who happened to be Government Servants before absorption in the Public Sector Corporations/autonomous bodies at the time of initial constitutions of such Corporations/Autonomous Bodies shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to Government Servants. This concession will not, however, be admissible to such staff of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies who are/were subsequently appointed by such Corporations/autonomous Bodies and who are /were finally absorbed in the service of such Corporations/autonomous Bodies after initial constitution of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies.

7. Save as provided in rule 6 (3), the age limits prescribed shall in no case be relaxed. The Commission shall accept only such date of birth as is recorded in the matriculation or secondary school examination certificate or certificate of an examination treated equivalent thereto. High School/Higher Secondary Certificate/Mark sheet, clearly mentioning the date of birth, must be attached with the application form of the Main Examination, failing which the application form shall be rejected. No other document relating to age such as horoscope, affidavit, birth-related extracts from Municipal Corporation service records and the like, shall be accepted. Once a date of birth has been recorded in the application form, request for any change therein shall not be considered under any circumstances and all such representations will be rejected. The application

may be rejected on finding any dissimilarity between the information provided in the application form of the Preliminary Examination and that of the Main Examination.

8. If a person, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person or entered into or contracted a marriage with a person having souse living, shall not be eligible for appointment to the service/post.

Provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under Personal Law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other legal grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

9. Success in the examination confers no right to the appointment unless the government is satisfied after such inquiry as may be deemed necessary that the candidate is suitable in all respects for appointment to the service.

10. The decision of the Commission as to the eligibility of a candidate for admission to the examination or other matters shall be final. No representation or correspondence shall be entertained on this point. The admission to the preliminary examination shall be provisional. If on verification at any stage of selection, it is found that a candidate does not fulfil all the eligibility conditions, or gives false/erroneous information, his candidature shall be cancelled. If any of his claims is found to be incorrect, he may render himself liable to disciplinary action by the Commission in terms of Rule 14 given below.

The mere fact that an admission card/letter to the examination has been issued to a candidate, shall not imply that his candidature has been finally/irrevocably accepted by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application form for the preliminary examination have been accepted by the Commission as true and correct. Preliminary examination is just a screening test, hence the Commission doesn't ask for any certificate to accompany the application form for the preliminary examination and eligibility for the examination is not inquired into at that stage. All the applicants shall be admitted to the preliminary examination without exception, but a close scrutiny of the application forms of the Main Examination will be done at the time of preparing the results of the Main Examination, that is, at the time of determining the eligibility of the candidates for interview. Application forms not enclosing the required certificates shall be rejected. Therefore, the candidates shall thoroughly ensure before applying, that they fulfil the requirements/conditions laid down in the advertisement.

11. No candidate shall be admitted either to preliminary examination or Main Examination unless he/she holds an admission card issued by the Commission. If any error is observed in the admission card, it shall be the liability of the candidate to immediately contact the Commission's office for correction thereof.

12. Application form, filled partially/erroneously/found with over writting/not signed at desired spaces/having missing self signed desired number of photographs or found without appropriate Bank Draft of requisite amount, shall be rejected.

13. (1) The candidates claiming any relaxation in age or any other concession shall attach, with their application forms for the Main Examination, a photocopy of the appropriate certificate issued by the competent authority. A permanent caste certificate relating to Scheduled Castes, Scheduled Tribes or Other Backward Classes, issued by a Sub-Divisional Officer (Civil), who is authorized by the Government of Himachal Pradesh to issue caste certificate shall be attached with the application form. In case of married women, the caste certificate held by their father alone will

be accepted. If a candidate fails to produce permanent certificate of caste and other certificates in original, at the time of interview, his candidature shall be rejected for which the candidate himself shall be responsible. In the absence of the required certificate(s), claim to any relaxation/concession shall not be considered.

(2) Ex-Serviceman candidate shall produce the discharge certificate alongwith the application form at the time of main examination.

14. A candidate who has been found by the Commission to be guilty of the following;-

- (1) obtaining support for his candidature whether in the written examination or interview by any means, or
- (2) impersonating, or
- (3) procuring impersonation by any person, or
- (4) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (5) making statements which are incorrect or false or suppressing therein material information at any stage of selection, or
- (6) resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination, or
- (7) using or attempting to use unfair means in the examination hall, or
- (8) harassing, threatening or causing physical injury to the staff engaged in the conduct of examination, or
- (9) violating any of the instructions given to the candidates in their admission card or other directives including oral instructions given by the centre supervisor or other staff engaged in the conduct of examination, or
- (10) misbehaving in any other manner in the examination hall or in the interview, may, in addition to rendering himself/herself liable to criminal prosecution, be liable-
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, and/or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period-
 - (i) by the Commission from an examination held or a selection made by it;
 - (ii) by the State Government from employment under it; and
 - (c) if he is already in service under the government, to a disciplinary action under appropriate rules; provided that no penalty under this rule shall be imposed except after-
 - (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and
 - (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him, into consideration.

15. The application forms for Main Examination received after the prescribed date shall not be considered. The Commission shall not be responsible in the event of forms getting late, mutilated or lost during postal/courier services. Only one application form will be accepted in one envelope. Every such application form received in Commission's office, either at the counter or by post, shall be acknowledged and a registration number shall be issued to the candidate as token of the receipt of application form. The fact that the application registration number has been issued to the candidate shall not ipso facto mean that application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. No correspondence or representation will be entertained in respect of late receipt of application form. The decision of the Commission as to eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

16. The Commission reserves the right to allocate the centre, for examination to the candidate, keeping in view the preference recorded in the application form. It is not necessary and binding for the Commission, to allocate the desired examination centre to candidate. Examination centers are allocated by the Commission, keeping in view the capacity of examination centers and administrative convenience. No application for change of centre or any other entry in the application form shall be entertained.

17. If a candidate wants to receive any communication from the Commission on an address different from the one given in his application form, such a change in address shall be communicated to the Commission at the earliest, alongwith two self-addressed sufficiently stamped envelopes of 11.5 cm x 27.5 cm size, in which he shall note down his registration number and the name of the examination. The Commission shall make every effort to take account of such change.

18. The Commission shall not supply mark sheets in respect of preliminary examination as it is only a screening test. As such, no correspondence shall be entertained in this connection. The marks of the candidates who appeared in the Main Examination shall be uploaded on the website of the Commission after the publication of the final selection results. There shall be no provision for revaluation of the examinations conducted by the commission.

19. Unemployed candidates of reserved categories (Scheduled Caste and Scheduled Tribe) domiciled in Himachal Pradesh/persons with disabilities, presenting themselves at the interview, will be paid travelling expenses by the office of the Commission from their place of residence and back on production of necessary documents in support of their claims.

The various concessions given in the advertisement, for the candidates of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes shall be applicable only to those who are domiciled in Himachal Pradesh and belong to Scheduled Castes and Scheduled Tribes notified as such by the Government of Himachal Pradesh and to Other Backward Classes recognized by the Himachal Pradesh Government. Scheduled Caste, Scheduled Tribe and O.B.C. candidates of other States will be considered as belonging to unreserved category. Reservation, relaxation in age limit and other benefits will not be allowed to the candidates belonging to the 'creamy layer' of the Other Backward Classes recognized by the Government of Himachal Pradesh.

20. The candidates finally selected for a particular service will have to undergo such training and pass such departmental examination as may be prescribed by the Government. They will be required to serve at any place in Himachal Pradesh and shall take immediately an appointment when offered.

21. If any question arises, relating to the interpretation of these rules, the same shall be decided by the Government in consultation with the Commission.

22. All rules corresponding to these rules and in force immediately before the commencement of these rules are hereby repealed in respect of matters covered by these rules:

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

By order,
Tarun Shridhar,
Addl. Chief Secretary (Personnel).

Appendix-I

Standard/Syllabus of Preliminary Examination

The recruiting Agency shall limit/shortlist the number of eligible candidates to be called for written examination by subjecting them to a screening test (objective Type) of three hours duration. In the objective type screening test there will be 200 multiple choice questions of one mark each on the basis of the following syllabus. The marks obtained by the candidates who are declared qualified for admission to written examination will not be counted for detaining their final order of merit. The number of candidates to be admitted to the written examination will be 20(Twenty) times the total approximate number of vacancies to be filled.

1. History, geography and socio economic development of Himachal Pradesh.

60 Marks

2. Knowledge of current events of the national international importance and such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject.

60 Marks

3. Modern History (From 1857 onwards) of India, Indian Culture, Indian Polity, Indian Economy, Geography of India, disaster management, Environment and Gender issues and teaching of Mahatma Gandhi.

80 Marks

Appendix-II

Standard/Syllabus of Main Examination

1. **Paper –I English (Conventional -03 Hours)**

Candidates will be required to answer questions designed to test their understanding of English and workmen like use of words. Some of the questions will be devised to test also their reasoning power, their capacity to perceive implications their ability to distinguish between the important and the less important and to write an essay. Passage will usually be set for summary or précis. Credit will be given for concise and effective expression.

Maximum Marks-150

2. Paper -II Hindi (Conventional (03 Hours))

- i) Translation of an English passage into Hindi.
- ii) Explanation of Hindi passage in Prose and Poetry in same language.
- iii) Composition (Essay, Idioms, correction etc.)

Maximum Marks-150**3. Paper-III (General Knowledge(03 Hours))**

History, geography and socio economic development of Himachal Pradesh . Knowledge of current events of National and International importance and of such matter of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on Modern History (From 1857 onwards) of India, Indian Culture, Indian Polity, India Economy and Geography of India of such nature as candidates should be able to answer without special study and questions on the teachings of Mahatma Gandhi.

Maximum Marks-200**4. Viva Voce:**

The candidate will be interviewed by the Commission which will have before it a record of his career. He will be asked questions in matters of General interest. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for the service(s)/post(s) for which he has applied and to judge the mental caliber of candidates. In broad terms, this is really an assessment of his intellectual qualities such as mental alertness, variety and depth of interest, ability for social cohesion and leadership , intellectual and moral integrity.

Maximum Marks-100

Note.—Marks obtained by the candidates in the written examination and viva-voce would determine their final ranking. In the event of a tie, order of merit shall be determined in accordance with the higher marks secured in *viva-voce* and in case the marks in the *viva-voce* of the candidates tie, then the order of merit shall be decided in accordance with the higher marks obtained by such candidates in the aggregate of the written examination and in case the marks in the aggregate of the written examination tie then the candidate who is senior in age will be placed above the candidates junior in age.

शहरी विकास विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 30 मार्च, 2016

संख्या: एल0 एस0 जी0-ए0 (9) 20/84.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, इस विभाग की अधिसूचना संख्या यू0 डी0-ए0 (3) 7/2013-लूज दिनांक 1-9-2015, के क्रम में और हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 की धारा 268 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नई गठित नगर पंचायत करसोग,

जिला मण्डी के लिए उप-मण्डल अधिकारी (नागरिक) करसोग, जिला मण्डी को छः मास से अनधिक अवधि के लिए या जब तक नगरपालिका स्थापित नहीं कर दी जाती, जो भी पूर्वतर हो, नगरपालिका की शक्तियों का प्रयोग करने, उसके कर्तव्यों का निर्वहन करने और कृत्यों का पालन करने के लिए नियुक्त करते हैं। वह ऐसे निर्देशों का पालन भी करेगा, जो उसे राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर उक्त प्रयोजन को कार्यान्वित करने के लिए दिए जाएं।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित /—
अतिरिक्त मुख्य सचिव (शहरी विकास)।

URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 30th March, 2016

No. LSG-A(9)20/84.—In continuation of this Department's notification No. UD-A(3)7/2013-loose dated 1.9.2015 and in exercise of the powers conferred by Section 268 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to appoint the Sub Divisional Officer (Civil), Karsog, District Mandi as a person to exercise the powers, discharge the duties and perform the function of the municipality, newly constituted Nagar Panchayat, Karsog, District Mandi for a period not exceeding six months or until the municipality is established, whichever is earlier. He shall also comply with such directions as may be given to him by the State Government, from time to time for carrying the said purpose.

By order,
Sd/-
Additional Chief Secretary (UD)

शहरी विकास विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 30 मार्च, 2016

संख्या: एल0 एस0 जी0-ए0 (9) 20/84.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, इस विभाग की अधिसूचना संख्या यू0 डी0-ए0 (3) 7/2013-लूज दिनांक 1-9-2015, के क्रम में और हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 की धारा 268 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नई गठित नगर परिषद नेरचौक, जिला मण्डी के लिए उप-मण्डल अधिकारी (नागरिक) सुन्दरनगर, जिला मण्डी को छः मास से अनधिक अवधि के लिए या जब तक नगरपालिका स्थापित नहीं कर दी जाती, जो भी पूर्वतर हो, नगरपालिका की शक्तियों का प्रयोग करने, उसके कर्तव्यों का निर्वहन करने और कृत्यों का पालन करने के लिए नियुक्त करते हैं। वह ऐसे निर्देशों का पालन भी करेगा, जो उसे राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर उक्त प्रयोजन को कार्यान्वित करने के लिए दिए जाएं।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित /—
अतिरिक्त मुख्य सचिव (शहरी विकास)।

URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT**NOTIFICATION***Shimla-2, the 30th March, 2016*

No. LSG-A(9)20/84.—In continuation of this Department's notification No. UD-A(3)7/2013-loose dated 1.9.2015 and in exercise of the powers conferred by Section 268 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to appoint the Sub Divisional Officer (Civil), Sunder Nagar, District Mandi as a person to exercise the powers, discharge the duties and perform the function of the municipality, newly constituted Nagar Parishad, Nerchowk, District Mandi for a period not exceeding six months or until the municipality is established, whichever is earlier. He shall also comply with such directions as may be given to him by the State Government, from time to time for carrying the said purpose.

By order,

Sd/-

Additional Chief Secretary (UD).

शहरी विकास विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 30 मार्च, 2016

संख्या: एल0 एस0 जी0-ए0 (9) 20/84.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 की धारा 268 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नगर पंचायत, दौलतपुर जिला ऊना के लिए उप-मण्डल अधिकारी (नागरिक) अम्ब, जिला ऊना को छः मास से अनधिक अवधि के लिए या जब तक नगरपालिका स्थापित नहीं कर दी जाती, जो भी पूर्वतर हो, नगरपालिका की शक्तियों का प्रयोग करने, उसके कर्तव्यों का निर्वहन करने और कृत्यों का पालन करने के लिए नियुक्त करते हैं। वह ऐसे निर्देशों का पालन भी करेगा, जो उसे राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर उक्त प्रयोजन को कार्यान्वित करने के लिए दिए जाएं।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित /—

अतिरिक्त मुख्य सचिव (शहरी विकास)।

URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT**NOTIFICATION***Shimla-2, the 30th March, 2016*

No. LSG-A(9)20/84.—In exercise of the powers conferred by Section 268 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to appoint the Sub Divisional Officer (Civil), Amb, District Una as a person to exercise the powers, discharge the

duties and perform the function of Nagar Panchayat, Daulatpur for a period not exceeding six months or until the municipality is established, whichever is earlier. He shall also comply with such directions as may be given to him by the State Government, from time to time for carrying the said purpose.

By order,
Sd/-
Additional Chief Secretary (UD).

**In the Court of Dr. Chand Chand Prakash Sharma HPAS, Marriage Officer-cum-Sub
Divisional Magistrate, Hamirpur**

In the matter of :

1. Vijay Kumar aged 23 years s/o Shri Pink Raj, r/o VPO Rangar, Tehsil Sujanpur, District Hamirpur (HP).
2. Pooja aged 18 years d/o Shri Prem Chand, r/o Ward No. 3, Sujanpur near CHC Sujanpur, District Hamirpur (HP) . . Applicants.

Versus

General Public

Subject:—Notice of the Intended Marriage.

Vijay Kumar and Pooja have filed an application U/S 5 of Special Marriage Act, 1954 alongwith affidavits in the court of undersigned in which they stated that they intend to solemnized marriage within three calendar months.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally or in writing before this court on or before 11-4-2016. The objection received after 11-04-2016 will not be entertained and marriage will be registered accordingly.

Issued today on 14-03-2016 under my hand and seal of the court.

Seal.

Sd/-
Marriage Officer-cum-Sub Divisional Magistrate,
Hamirpur, District Hamirpur.

ब अदालत विवाह पंजीकरण अधिकारी, बड़सर, उप-मण्डल बड़सर, जिला हमीरपुर, हि० प्र०

1. Raj Pal s/o Basakhu Ram, r/o Punder, P.O. Dain, Tehsil Barsar, District Hamirpur (H.P.).
2. Reena Devi d/o Nanku Ram, r/o Didwin-Tikkar, P.O. Didwin, Tehsil & District Hamirpur (H.P.) . . प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता

. . प्रतिवादी ।

आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दोनों (प्रार्थी 1 व 2) ने इस न्यायालय में विवाह पंजीकरण करवाने का आवेदन किया है। अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता व उपरोक्त आवेदनकर्ता के माता पिता को इस विवाह के पंजीकरण बारे एतराज हो तो दिनांक 27-4-2016 को प्रातः 10.00 बजे इस न्यायालय में आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। इस तिथि के बाद कोई उजर स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19-03-2016 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
विवाह पंजीकरण अधिकारी,
बड़सर, उप-मण्डल बड़सर, जिला हमीरपुर, हि0 प्र0।

ब अदालत विवाह पंजीकरण अधिकारी, बड़सर, उप-मण्डल बड़सर, जिला हमीरपुर, हि0 प्र0

1. Anil Kumar s/o Raghubir Singh, r/o Tikkar Rajputan, P.O. Bambloo, Tehsil Barsar, District Hamirpur (H.P.).
2. Dolma Rani d/o Late Shri Majalsi Ram, r/o VPO Kathiana, Tehsil Barsar, District Hamirpur (H.P.) प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी।

आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दोनों (प्रार्थी 1 व 2) ने इस न्यायालय में विवाह पंजीकरण करवाने का आवेदन किया है। अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता व उपरोक्त आवेदनकर्ता के माता पिता को इस विवाह के पंजीकरण बारे एतराज हो तो दिनांक 19-4-2016 को प्रातः 10.00 बजे इस न्यायालय में आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। इस तिथि के बाद कोई उजर स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16-03-2016 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
विवाह पंजीकरण अधिकारी,
बड़सर, उप-मण्डल बड़सर, जिला हमीरपुर, हि0 प्र0।

ब अदालत विवाह पंजीकरण अधिकारी, बड़सर, उप-मण्डल बड़सर, जिला हमीरपुर, हि0 प्र0

1. Ravi Kumar s/o Jagdish Chand, r/o VPO Loharli, Tehsil Barsar, District Hamirpur (H.P.).
2. Shri Devi d/o Tikkam Ram, r/o Nanspo, P.O. Tranda, Tehsil Nichar, District Kinnaur (H.P.) प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी।

आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दोनों (प्रार्थी 1 व 2) ने इस न्यायालय में विवाह पंजीकरण करवाने का आवेदन किया है। अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता व उपरोक्त आवेदनकर्ता के माता

पिता को इस विवाह के पंजीकरण बारे एतराज हो तो दिनांक 19-4-2016 को प्रातः 10.00 बजे इस न्यायालय में आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। इस तिथि के बाद कोई उजर स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16-03-2016 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
विवाह पंजीकरण अधिकारी,
बड़सर, उप-मण्डल बड़सर, जिला हमीरपुर, हि0 प्र0।

ब अदालत विवाह पंजीकरण अधिकारी, बड़सर, उप-मण्डल बड़सर, जिला हमीरपुर, हि0 प्र0

1. Pooja Rani d/o Khushi Ram, r/o Luharwin, P.O. Tipper, Tehsil Barsar, District Hamirpur (H.P.).
2. Prem Kumar s/o Sunka Ram Sharma, r/o Bhallu, P.O. Hareta, Tehsil Nadaun, District Hamirpur (H.P.)

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी।

Pooja Rani d/o Khushi Ram, r/o Luharwin, P.O. Tippar, Tehsil Barsar, District Hamirpur (H.P.) ने इस न्यायालय में Prem Kumar s/o Sunka Ram Sharma, r/o Bhallu, P.O. Hareta, Tehsil Nadaun, District Hamirpur (H.P.) से विवाह करवाने का आवेदन किया है। अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता व उपरोक्त आवेदनकर्ता के माता पिता को इस विवाह के पंजीकरण बारे एतराज हो तो दिनांक 19-4-2016 को प्रातः 10.00 बजे इस न्यायालय में आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। इस तिथि के बाद कोई उजर स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16-03-2016 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
विवाह पंजीकरण अधिकारी,
बड़सर, उप-मण्डल बड़सर, जिला हमीरपुर, हि0 प्र0।

ब अदालत नायब तहसीलदार एवम् कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील खुण्डियां, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)

केस नं0 : 02/T/2016/Misc.

तारीख पेशी : 12-04-2016

श्रीमती सुरमी देवी पुत्री श्री गडू राम, वासी मौर, डाकघर सुदर लाहड हाल विधवा श्री अमीर सिंह, निवासी गांव थलाकन, डाकघर सुराणी, तहसील खूण्डियां, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

उनवान मुकदमा:—जेरे धारा 13(3) जन्म एवम् मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के तहत जन्म पंजीकरण।

आदेश:-

प्रार्थिया श्रीमती सुरमी देवी पुत्री श्री गडू राम, हाल विधवा श्री अमीर सिंह, निवासी गांव थलाकन, डाकघर सुराणी, तहसील खूण्डियां, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) ने स्वयं उपस्थित होकर प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया कि उसका जन्म दिनांक 01-01-1954 को हुआ है, का पंजीकरण कानून की जानकारी न होने के कारण ग्राम पंचायत वरोग लाहड के अभिलेख में दर्ज न हो सका है। अतः जन्म तिथि का पंजीकरण ग्राम पंचायत वरोग लाहड के अभिलेख में दर्ज किया जाये।

अतः सर्वसाधारण को सुनवाई हेतु बजरिये इश्तहार व मुस्त्री मुनादी द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सम्बन्ध में किसी प्रकार का उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 12-04-2016 को असालतन व वकालतन पेश होकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। उसके उपरान्त कोई भी उजर/एतराज जेर समायत न होगा तथा श्रीमती सुरमी देवी पुत्री श्री गडू राम, वासी मौर, डाकघर लाहड हाल विधवा श्री अमीर सिंह, निवासी गांव थलाकन, डाकघर सुराणी की जन्म तिथि का पंजीकरण दिनांक 01-01-1954, जेरे धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 के तहत ग्राम पंचायत वरोग लाहड के अभिलेख में दर्ज करने के आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 16-03-2016 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-
नायब तहसीलदार एवम् कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील खूण्डियां, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री भुवनेश्वर कुमार, सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, तहसील खूण्डियां, जिला कांगड़ा (हि0प्र0)

केस नं0 01/T/2015/P.

तारीख पेशी : 21-04-2016

श्री हमीर चन्द पुत्र श्री प्रेम सिंह, निवासी महाल वंसी, मौजा हवडोल, तहसील खूण्डियां, जिला कांगड़ा (हि0प्र0) वादी।

बनाम

1. श्री अशोक कुमार, 2. श्री सतीश कुमार पिसरान व 3. श्रीमती सीता देवी पत्नी स्व0 श्री दीनू, 4. श्रीमती सत्या देवी, 5. कान्ता देवी पुत्रियां निहाला, 6. कुशल सिंह, 7. सुभाष चन्द, 8. सुशील कुमार, पिसरान, 9. श्रीमती विमला देवी पत्नी स्व0 श्री पूर्ण चन्द, 10. अंमी चन्द पुत्र प्रेम सिंह, 11. संजय कुमार, पुत्र व श्रीमती प्यार देई विधवा वासी निवासी गांव वंसी, मौजा हवडोल, तहसील खूण्डियां, जिला कांगड़ा हि0प्र0

प्रतिवादीगण।

विषय.-भूमि तकसीम खाता नम्बर 47, खतोनी 58, खसरा नम्बर 440, किता 11, रकवा तादादी 0-11-02 है0 वाक्या महाल वंसी, मौजा हवडोल।

नोटिस बनाम:—1. श्री अशोक कुमार, 2. श्री सतीश कुमार पिसरान व 3. श्रीमती सीता देवी पत्नी स्व0 श्री दीनू, 4. श्रीमती सत्या देवी, 5. कान्ता देवी पुत्रियां निहाला, 6. कुशल सिंह, 7. सुभाष चन्द, 8. सुशील कुमार, पिसरान, 9. श्रीमती विमला देवी पत्नी स्व0 श्री पूर्ण चन्द, 10. अंमी चन्द पुत्र प्रेम सिंह, 11. संजय कुमार पुत्र व श्रीमती प्यार देई विधवा वासी निवासी गांव वंसी, मौजा हवडोल, तहसील खूण्डियां, जिला कांगड़ा, हि0 प्र0 प्रतिवादीगण।

आपको इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त खाता जात कि तकसीम इस कार्यालय में विचाराधीन है जिसमें आप हिस्सेदार हैं। जिस बारे आपको कई बार हाजर होने बारे अदालत हजा द्वारा सूचित किया गया था परन्तु आप हाजर अदालत न आये। अतः अब अदालत को यकीन हो चुका है कि उक्त प्रतिवादियों कि समन तामील साधारण तरीके से होना कठिन है अतः अब आपको बजरिया इशतहार मुस्त्री मनादी द्वारा सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 21-04-2016 को असालतन व वकालतन हाजर होकर उपरोक्त मुकद्दमा की पैरवी करें। हाजर न आने की सूरत में आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जायेगी उसके उपरान्त कोई उजर/एतराज काबले समायत न होगा और उपरोक्त खाता जात की तकसीम कर दी जावेगी।

आज दिनांक 20-01-2016 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
खुण्डियां, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

ब अदालत नायब तहसीलदार एवम् कार्यकारी दण्डाधिकारी, उप-तहसील हारचकियां,
जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)

श्रीमती स्वर्णा देवी

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती स्वर्णा देवी पत्नी श्री हरदेव सिंह, महाल लपियाणा, मौजा प्रगोड, उप-तहसील हारचकियां, जिला कांगड़ा, हि0 प्र0 ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसके पुत्र सागर चन्द पुत्र हरदेव सिंह का जन्म दिनांक 18-07-1990 है परन्तु ग्राम पंचायत प्रगोड के जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण रजिस्टर में दर्ज न है इसे दर्ज करने के आदेश दिये जायें। इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों का सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे एतराज हो तो वह हमारी अदालत में दिनांक 18-04-2016 को असालतन या वकालतन हाजर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक प्रमाण-पत्र सी0एम0ओ0 व शपथ-पत्र, जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने बारे आदेश पारित कर दिये जाएंगे।

आज दिनांक 18-03-2016 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
उप-तहसील हारचकियां, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री विवेक नेगी, सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग कुपवी, जिला शिमला (हि0 प्र0)

श्री अनील पुत्र कुन्दन सिंह, ग्राम वासी दोची, डा0 मालत, परगना चेता, तहसील कुपवी, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

श्री अनील कुमार पुत्र कुन्दन सिंह, ग्राम वासी दोची, डा0 मालत, परगना चेता, तहसील कुपवी ने इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र पेश किया है कि उसके पिता श्री कुन्दन सिंह पुत्र मोही राम, ग्राम वासी दोची,

तहसील कुपवी, जिला शिमला पिछले 12 वर्षों से अपने ग्राम दोची से लापता है जिस की गुमशुद्धा की रिपोर्ट पुलिस थाना कुपवी में दिनांक 3-2-2002 को कर दी गई थी।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता व रिश्तेदारों व सगे सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति या रिश्तेदारों को श्री कुन्दन सिंह पुत्र मोही राम, ग्राम वासी दोची, तहसील कुपवी के लापता होने की जानकारी हो तो वह इस इश्तहार के जारी होने के बाद एक माह के अन्दर असातन या वकालतन इस कार्यालय को सूचित करे। यदि कोई सूचना उक्त अवधि के दौरान इस कार्यालय को प्राप्त न हुई तो प्रार्थना-पत्र पर यकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 17-3-2016 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किये गए।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—

विवेक नेगी,

सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
कुपवी, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री राम प्रताप पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार, निवासी फूलपुर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर वादी

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी

प्रकरण संख्या : 14/16

उनवान मुकद्दमा : प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री राम प्रताप पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार, निवासी फूलपुर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर ने एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करके निवेदन किया है कि आवेदक किन्हीं कारणों से अपनी स्वयं की जन्म तिथि 30-6-1994 का इन्द्राज निर्धारित अवधि के अन्दर सम्बन्धित ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवा पाया है। इस बारे आवेदक द्वारा एक ब्यान हल्फी भी पेश किया गया है तथा इस सम्बन्ध में दो गवाहों के शपथ पत्र भी आवेदक ने अपने प्रार्थना-पत्र के साथ संलग्न किये हैं। आवेदक ने ग्राम पंचायत फूलपुर में अपनी ऊपर वर्णित जन्म तिथि 30-6-1994 को दर्ज करने का अनुरोध किया है।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को श्री राम प्रताप की जन्म तिथि ग्राम पंचायत फूलपुर, तहसील पांवटा साहिब में दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह मिति 15-4-2016 को या इससे पूर्व हमारे न्यायालय में हाजिर होकर लिखित अथवा मौखिक एतराज पेश कर सकता है। उक्त निश्चित तिथि के बाद कोई भी एतराज मान्य नहीं होगा और समझा जायेगा कि उक्त श्री राम प्रताप की जन्म तिथि को ग्राम पंचायत में दर्ज करने बारे किसी को कोई एतराज नहीं है तथा नियमानुसार जन्म तिथि पंजीकरण के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 15-03-2016 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—

कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हि0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री नवनीत चौधरी पुत्र श्री विजेन्द्र चौधरी, निवासी पांवटा साहिब, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर वादी

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी

प्रकरण संख्या : 10 / 16

उनवान मुकद्दमा : प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री नवनीत चौधरी पुत्र श्री विजेन्द्र चौधरी, निवासी पांवटा साहिब, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर ने एक प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करके निवेदन किया है कि आवेदक किन्हीं कारणों से अपनी स्वयं की जन्म तिथि 14-05-1990 का इन्द्राज निर्धारित अवधि के अन्दर सम्बन्धित नगरपालिका परिषद् में दर्ज नहीं करवा पाया है। इस बारे आवेदक द्वारा एक ब्यान हल्फी भी पेश किया गया है तथा इस सम्बन्ध में दो गवाहों के शपथ पत्र भी आवेदक ने अपने प्रार्थना-पत्र के साथ संलग्न किये हैं। आवेदक ने नगरपालिका परिषद् पांवटा साहिब में अपनी ऊपर वर्णित जन्म तिथि 14-05-1990 को दर्ज करने का अनुरोध किया है।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को नवनीत चौधरी की जन्म तिथि नगरपालिका परिषद् पांवटा साहिब, तहसील पांवटा साहिब में दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह मिति 18-04-2016 को या इससे पूर्व हमारे न्यायालय में हाजिर होकर लिखित अथवा मौखिक एतराज पेश कर सकता है। उक्त निश्चित तिथि के बाद कोई भी एतराज मान्य नहीं होगा और समझा जायेगा कि उक्त नवनीत चौधरी की जन्म तिथि को नगरपालिका परिषद् में दर्ज करने बारे किसी को कोई एतराज नहीं है तथा नियमानुसार जन्म तिथि पंजीकरण के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 18-03-2016 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित / -

कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हि0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री ओमी चंद पुत्र श्री सावनू राम, निवासी भाटावाली, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर वादी

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी

प्रकरण संख्या : 11 / 16

उनवान मुकद्दमा : प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री ओमी चंद पुत्र श्री सावनू राम, निवासी भाटावाली, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर ने एक प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करके निवेदन किया है कि आवेदक किन्हीं कारणों से अपने पिता सावनू राम की मृत्यु तिथि 1-10-1990 का इन्द्राज निर्धारित अवधि के अन्दर सम्बन्धित ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवा पाया है। इस बारे आवेदक द्वारा एक ब्यान हल्फी भी पेश किया गया है तथा इस सम्बन्ध में दो गवाहों के शपथ पत्र भी

आवेदक ने अपने प्रार्थना-पत्र के साथ संलग्न किये हैं। आवेदक ने ग्राम पंचायत भाटावाली में अपने ऊपर वर्णित पिता की मृत्यु तिथि 1-10-1990 को दर्ज करने का अनुरोध किया है।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को सावनू राम की मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत भाटावाली, तहसील पांवटा साहिब में दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह मिति 18-04-2016 को या इससे पूर्व हमारे न्यायालय में हाजिर होकर लिखित अथवा मौखिक एतराज पेश कर सकता है। उक्त निश्चित तिथि के बाद कोई भी एतराज मान्य नहीं होगा और समझा जायेगा कि उक्त सावनू राम की मृत्यु तिथि को ग्राम पंचायत में दर्ज करने बारे किसी को कोई एतराज नहीं है तथा नियमानुसार मृत्यु तिथि पंजीकरण के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 18-03-2016 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हि0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री धर्म सिंह, निवासी ग्राम भुंगरनी, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर
वादिया

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी

प्रकरण संख्या : 12/16

उनवान मुकद्दमा : प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री धर्म सिंह, निवासी ग्राम भुंगरनी, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर ने एक प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करके निवेदन किया है कि आवेदिका किन्हीं कारणों से अपने पति धर्म सिंह की मृत्यु तिथि 12-4-1980 का इन्द्राज निर्धारित अवधि के अन्दर सम्बन्धित ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवा पाई है। इस बारे आवेदिका द्वारा एक ब्यान हल्फी भी पेश किया गया है तथा इस सम्बन्ध में दो गवाहों के शपथ पत्र भी आवेदिका ने अपने प्रार्थना-पत्र के साथ संलग्न किये हैं। आवेदिका ने ग्राम पंचायत शिवपुर में अपने ऊपर वर्णित पति धर्म सिंह की मृत्यु तिथि 12-4-1980 को दर्ज करने का अनुरोध किया है।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को धर्म सिंह की मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत शिवपुर, तहसील पांवटा साहिब में दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह मिति 18-04-2016 को या इससे पूर्व हमारे न्यायालय में हाजिर होकर लिखित अथवा मौखिक एतराज पेश कर सकता है। उक्त निश्चित तिथि के बाद कोई भी एतराज मान्य नहीं होगा और समझा जायेगा कि उक्त धर्म सिंह की मृत्यु तिथि को ग्राम पंचायत में दर्ज करने बारे किसी को कोई एतराज नहीं है तथा नियमानुसार मृत्यु तिथि पंजीकरण के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 18-03-2016 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हि0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री पंकज पुत्र श्री कली राम, निवासी ग्राम कुंजा मतरालियो, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर
वादी

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी

प्रकरण संख्या : 13 / 16

उनवान मुकद्दमा : प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री पंकज पुत्र श्री कली राम, निवासी ग्राम कुंजा मतरालियो, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर ने एक प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करके निवेदन किया है कि आवेदक किन्हीं कारणों से अपनी पुत्री कृष्णा की जन्म तिथि 24-11-2008 का इन्द्राज निर्धारित अवधि के अन्दर सम्बन्धित ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवा पाया है। इस बारे आवेदक द्वारा एक ब्यान हल्फी भी पेश किया गया है तथा इस सम्बन्ध में दो गवाहों के शपथ पत्र भी आवेदक ने अपने प्रार्थना-पत्र के साथ संलग्न किये हैं। आवेदक ने ग्राम पंचायत कुंजा में अपनी ऊपर वर्णित पुत्री की जन्म तिथि 24-11-2008 को दर्ज करने का अनुरोध किया है।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को कु0 कृष्णा की जन्म तिथि ग्राम पंचायत कुंजा, तहसील पांवटा साहिब में दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह मिति 16-04-2016 को या इससे पूर्व हमारे न्यायालय में हाजिर होकर लिखित अथवा मौखिक एतराज पेश कर सकता है। उक्त निश्चित तिथि के बाद कोई भी एतराज मान्य नहीं होगा और समझा जायेगा कि उक्त कृष्णा की जन्म तिथि को ग्राम पंचायत में दर्ज करने बारे किसी को कोई एतराज नहीं है तथा नियमानुसार जन्म तिथि पंजीकरण के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 16-03-2016 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हि0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री अमजद खान पुत्र श्री इस्लाम खान, निवासी पुरुवाला कांशीपुर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर
वादी

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी

प्रकरण संख्या : 16 / 16

उनवान मुकद्दमा : प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री अमजद खान पुत्र श्री इस्लाम खान, निवासी पुरुवाला कांशीपुर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर ने एक प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करके निवेदन किया है कि आवेदक किन्हीं कारणों से अपनी स्वयं की जन्म तिथि 4-5-1991 का इन्द्राज निर्धारित अवधि के अन्दर सम्बन्धित ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवा पाया है।

इस बारे आवेदक द्वारा एक ब्यान हल्फी भी पेश किया गया है तथा इस सम्बन्ध में दो गवाहों के शपथ पत्र भी आवेदक ने अपने प्रार्थना-पत्र के साथ संलग्न किये हैं। आवेदक ने ग्राम पंचायत पुरुवाला कांशीपुर में अपनी ऊपर वर्णित जन्म तिथि 4-5-1991 को दर्ज करने का अनुरोध किया है।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को अमजद खान की जन्म तिथि ग्राम पंचायत पुरुवाला कांशीपुर, तहसील पांवटा साहिब में दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह मिति 18-04-2016 को या इससे पूर्व हमारे न्यायालय में हाजिर होकर लिखित अथवा मौखिक एतराज पेश कर सकता है। उक्त निश्चित तिथि के बाद कोई भी एतराज मान्य नहीं होगा और समझा जायेगा कि उक्त अमजद खान की जन्म तिथि को ग्राम पंचायत में दर्ज करने बारे किसी को कोई एतराज नहीं है तथा नियमानुसार जन्म तिथि पंजीकरण के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 18-03-2016 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हि0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री नरेश कुमार पुत्र श्री शम्भू लाल, निवासी गोंदपुर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर वादी

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी

प्रकरण संख्या : 15/16

उनवान मुकद्दमा : प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री नरेश कुमार पुत्र श्री शम्भू लाल, निवासी गोंदपुर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर ने एक प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करके निवेदन किया है कि आवेदक किन्हीं कारणों से अपने पुत्र दलजीत सिंह की जन्म तिथि 11-1-2011 का इन्द्राज निर्धारित अवधि के अन्दर सम्बन्धित ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवा पाया है। इस बारे आवेदक द्वारा एक ब्यान हल्फी भी पेश किया गया है तथा इस सम्बन्ध में दो गवाहों के शपथ पत्र भी आवेदक ने अपने प्रार्थना-पत्र के साथ संलग्न किये हैं। आवेदक ने ग्राम पंचायत अमरकोट में अपने ऊपर वर्णित पुत्र की जन्म तिथि 11-1-2011 को दर्ज करने का अनुरोध किया है।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को दलजीत सिंह की जन्म तिथि ग्राम पंचायत अमरकोट, तहसील पांवटा साहिब में दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह मिति 18-04-2016 को या इससे पूर्व हमारे न्यायालय में हाजिर होकर लिखित अथवा मौखिक एतराज पेश कर सकता है। उक्त निश्चित तिथि के बाद कोई भी एतराज मान्य नहीं होगा और समझा जायेगा कि उक्त दलजीत सिंह की जन्म तिथि को ग्राम पंचायत में दर्ज करने बारे किसी को कोई एतराज नहीं है तथा नियमानुसार जन्म तिथि पंजीकरण के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 18-03-2016 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हि0 प्र0)।

दावा संख्या : / Teh. Una/M. Reg./20.....

श्री अनुप शर्मा पुत्र श्री वासदेव शर्मा, जात ब्राह्मण, गांव कुरियाला, डा0 कुरियाला, तहसील ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

दावा अन्तर्गत धारा 8(4) विवाह पंजीकरण अधिनियम, 1996.

उपरोक्त मुकद्दमा उनवान वाला में श्री अनुप शर्मा पुत्र श्री वासदेव शर्मा, जात ब्राह्मण, गांव कुरियाला, डा0 कुरियाला, तहसील ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0) ने इस न्यायालय में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है कि उसका विवाह दिनांक 31-01-2013 को श्रीमती निलम रानी पुत्री श्री प्यारे लाल, जात ब्राह्मण, गांव जनता नगर बठिन्डा, डाकघर बठिन्डा, तहसील बठिन्डा, जिला बठिन्डा (पंजाब) के साथ हुआ है। लेकिन अज्ञानता के कारण अपने विवाह का इन्द्राज स्थानीय रजिस्ट्रार विवाह पंजीकरण कुरियाला, तहसील ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0) में न करवा सका।

अतः इस सन्दर्भ में आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित के विवाह का इन्द्राज रजिस्ट्रार विवाह स्थानीय पंजीकरण कुरियाला, तहसील ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0) में दर्ज करवाने बारे किसी को एतराज हो तो वह दिनांक 16-04-2016 को इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा इसके बाद उक्त वर्णित विवाह के पंजीकरण हेतु आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। इसके बाद कोई भी एतराज काबले समायत न होगा।

आज दिनांक 15-03-2016 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0)।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0)

दावा संख्या : / Teh. Una/M. Reg./20.....

श्री ऋषी कुमार पुत्र श्री अशोक कुमार, जात वालमिकी, गांव रामपुर, डा0 ऊना, तहसील ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

दावा अन्तर्गत धारा 8(4) विवाह पंजीकरण अधिनियम, 1996.

उपरोक्त मुकद्दमा उनवान वाला में श्री ऋषी कुमार पुत्र श्री अशोक कुमार, जात वालमिकी, गांव रामपुर, डा0 ऊना, तहसील ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0) ने इस न्यायालय में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है कि उसका

विवाह दिनांक 23-04-2012 को श्रीमती सुखविन्द्र कौर पुत्री श्री अर्जुन सिंह, जात सुरैहड़ा, गांव रामपुर, डाकघर ऊना, तहसील ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0) के साथ हुआ है। लेकिन अज्ञानता के कारण अपने विवाह का इन्द्राज स्थानीय रजिस्ट्रार विवाह पंजीकरण रामपुर, तहसील ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0) में न करवा सका।

अतः इस सन्दर्भ में आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित के विवाह का इन्द्राज रजिस्ट्रार विवाह स्थानीय पंजीकरण रामपुर, तहसील ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0) में दर्ज करवाने बारे किसी को एतराज हो तो वह दिनांक 18-04-2016 को इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा इसके बाद उक्त वर्णित विवाह के पंजीकरण हेतु आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। इसके बाद कोई भी एतराज काबले समायत न होगा।

आज दिनांक 17-03-2016 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0)।

